कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 304340

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

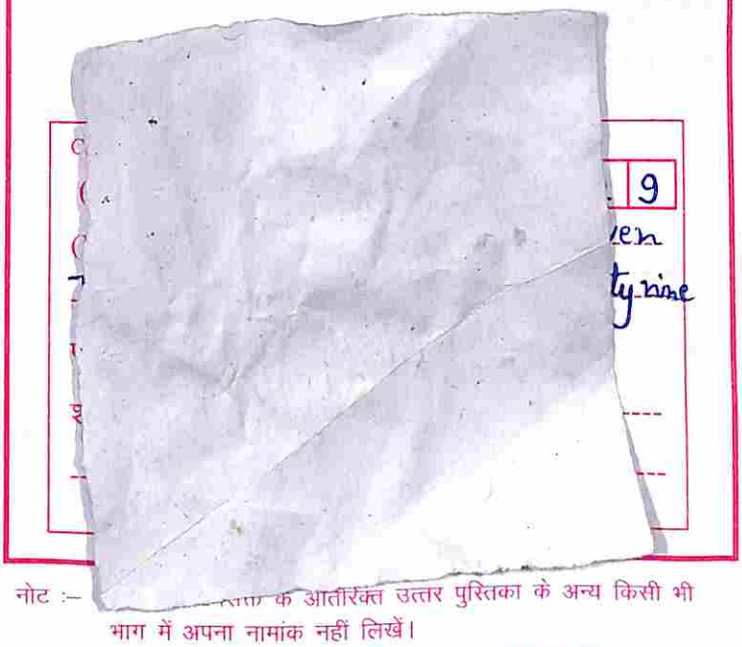

9

...en

...ty-nine

नोट :– ... के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय संस्कृत

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 01-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 81695

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

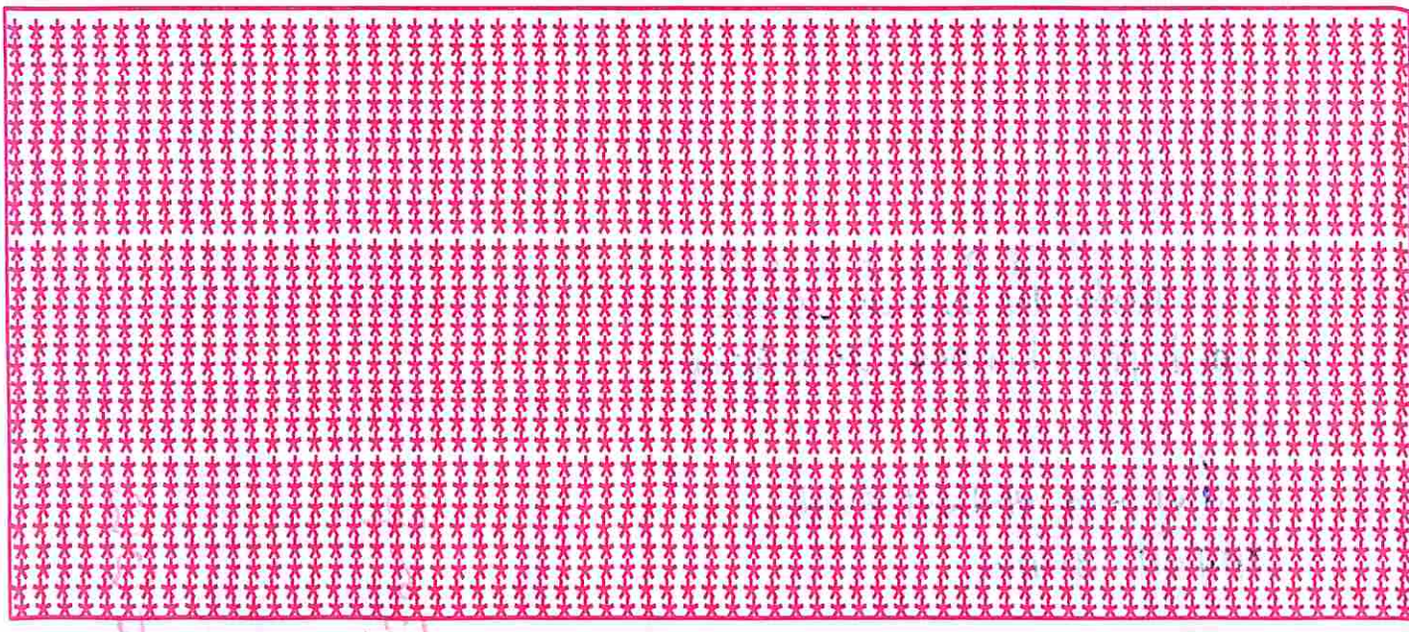

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		'खण्ड - 'अ'
उत्तरम्	1	
	(i)	अमृतम् (ब)
	(ii)	कौत्सः (अ)
	(iii)	जनकस्य (द)
	(iv)	रघुवंशात् (स)
	(v)	चन्द्रापीडम् (द)
	(vi)	अपगतमले (अ)
	(vii)	कूपखननम् (ब)
	(viii)	सप्त (अ)
	(ix)	अन्धकारः (स)
	(x)	सद्यम् (ब)
	(xi)	अश्रुधारा (द)
12	(xii)	शिववीरश्चरः (ब)

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
उत्तरम्	2.	
	(क) (i)	पुस्तकं पठन् गीतं गायति ।
	(ii)	उद्यानं गत्वा विश्रामि । (गम् + क्त्वा)
	(ख) (i)	वचसा सततं वद् + अनीयर् ।
	(ii)	यथाशक्ति दानं दा + तव्यत् ।
	(ग) (i)	मोहनः ग्रामम् उपवसति ।
	(ii)	बालकः सिंहात् बिभेति ।
उत्तरम्	3.	
	(क) (i)	वेदानाम् अन्तिमो भागः उपनिषद् ।
	(ii)	संगीतशास्त्रस्य आधारः सामवेदः अस्ति ।
	(iii)	महाकविसुबन्धुकृतः एक एव प्रसिद्धः ग्रन्थः वासवदत्ता अस्ति ।
	(iv)	'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' इति नाटकं कालिदासेन रचितम् ।

RSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(v)	अर्थगौरवं भारवि प्रसिद्धम् आस्ति ।
	(vi)	'हरनामामृतम्' महाकाव्यस्य कृष्णः नायकः आस्ति । ✗
	(vii)	मानवंशमहाकाव्यस्य प्रणेता ~~विद्याधरशास्त्री~~ सूर्यनारायणशास्त्री आस्ति ।
	(viii)	'लेनिनामृतम्' महाकाव्यस्य वीर रस: ~~प्रधानरस:~~ ।
10	(ix)	'चन्द्रमहीपतिः' उपन्यासस्य प्रणेता श्रीनिवासार्यः आस्ति ।
	(x)	'प्रबन्धमञ्जरी' ग्रन्थस्य रचयिता हृषिकेशभट्टाचार्यः आस्ति ।
	(ख)	
2	(i)	'सहयुक्तेऽप्रधाने' इति सूत्रेण तृतीया: विभक्तिः वर्तते ।
	(ii)	'भुवः प्रभवः' इति सूत्रेण पञ्चमी विभक्तिः वर्तते ।

BSER 167/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - 'ब'

उत्तरम् 4 (i)

उपजातिः छन्दः –

लक्षणम् – "अनन्तरोदीरितलक्ष्मभाजौपदौ यदियावुपजातयस्ताः
इत्थं किलान्यास्वपि मिश्रितासु वदन्ति जातिस्विदमेव

उदाहरणं अस्मिन् छन्दसि प्रत्येकऽस्मिन् चरणे एकादश
वर्णाः भवन्ति । इदं छन्दः इन्द्रवज्रोपेन्द्रवज्रस्य मिश्रित
अस्ति । यति कार्यः अन्ते भवति ।

उदाहरणं – "येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुविभार भूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥"

उत्तरम् 5.

जगणः ISI, तगणः SSI, जगणः ISI, गु गु SS

'त्वमेव माता च पिता त्वमेव' । = 11 वर्णाः

अस्यां पङ्क्त्यां उपेन्द्रवज्राः छन्दः अस्ति ।

उत्तरम् 6 (i)

यमकम् :–

लक्षणं – 'सत्यर्थे पृथगर्थाया: स्वरव्यंजन संहतेः
क्रमेणतेनैवावृत्तिर्यमकं विनिद्य विनिगद्यते ।'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		उदाहरणं - "आस्ति यद्यपि सर्वत्र नीरं नीरज राजितम् रमते न मरालस्य मानसं मानसं बिना ।"
	(ii)	श्लेषः -
		लक्षणं - श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेषः इष्यते ।
		उदाहरणं - केशवं पतितः दृष्ट्वा द्रोणः हर्षमुपागते रुदन्ति सर्वे कौरवाः हा! हा! केशव केशव ।
	7.	उत्तरम्
	(i)	'वहन्ति वर्षान्ति नदन्ति भान्ति' । = अनुप्रासः अलंकारः ।
	8	उत्तरम्
	(i)	आदित्यघुः यगणः भवति ।
	(ii)	उत्प्रेक्षा अलंकारे ।
	9.	अन्वय -
		यः विद्यां च अविद्यां च, तद् उभयं सह वेदः (सः) अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्यया अमृतम् अश्नुते ।
	10. (i)	उत्सङ्गे = गोद में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	मातरिश्वा = प्राणवायु
2	(iii)	सद्मसि = सभा में
	(iv)	प्रपेदे = पहुँचा / प्राप्त किया
	11. (i)	सत्कारः – सद् + कारः –
		~~उपेन्द्रः~~ 'चर्त्व सन्धिः' 'खरि च' इति सूत्रेण ।
2	(ii)	उपेन्द्रः – उप + इन्द्रः
		'गुणः सन्धिः' 'आद्गुणः' इति सूत्रेण ।
2	12. (i)	जनैकता – वृद्धिः सन्धिः 'वृद्धिरेचि' इति सूत्रेण
	(ii)	वाक् + ईशः – वागीशः 'जश्त्व सन्धि' 'झलां जशोऽन्ते' इति सूत्रेण ।
	13.	एकपदेन उत्तरत –
2	(i)	विज्ञानप्रधानं
	(ii)	वैज्ञानिकैः

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	14.	पूर्णवाक्येन उत्तरत -
	(i)	'विशिष्टं ज्ञानं विज्ञानम्' इति कथ्यते।
2	(ii)	परमाणुशक्तेः अस्त्रनिर्माणे एवं विशेषतः विउपयोगः विहितः।
	15.	भाषासम्बद्धकार्यम् -
	(i)	निर्घृणं
	(ii)	विज्ञानस्य
2	(iii)	सर्वत्र
	(iv)	मानवः
1	16.	विज्ञानस्य महत्वं

RSER-16/7/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

17.

(i) "सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः"।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्यपुस्तक 'शाश्वती द्वितीयः भागः' के 'सूक्तिसुधा' पाठ से ली लिया गयी है इसमें कवि ने मित्र के लक्षणो को स्पष्ट किया है -

भावार्थ :- कवि अच्छे मित्र के लक्षणो को बताते हुए कहते हैं कि जो पाप के कार्यो के हटाकर हित के कार्यो में जोडता है गोपनीय बातो को बताता है तथा गुणो को प्रकट करता है। विपत्ति के समय वह नहीं जाता है अर्थात छोडकर नहीं जाता है तथा साथ देता है। सज्जन लोगो ने ये ही अच्छे मित्र के लक्षण बताए हैं।

(ii) "यो यस्य मित्रं नहि तस्य दूरम् ।"

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्यपुस्तक 'शाश्वती द्वितिया भाग' के 'विक्रमस्यौदार्यम्' शीर्षक पाठ से ली गई है तथा यह पाठ 'सिंहासनद्वात्रिंशिका' से उद्घृ है इसमें दूर स्थिर होने पर मित्रता नष्ट नहीं होती है इसके बारे में बताया गया है -

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भावार्थ :— मोर पर्वत पर रहता है तथा बादल आकाश में रहता है तथा लाखों योजन की दूरी पर सूर्य तथा तालाब में कमल तथा दो लाख योजन की दूरी पर चन्द्रमा और पृथ्वी पर कुमुद कुमुदनी जो स्थिति होते हुए भी उनमें अच्छे संबंध पाये जाते हैं जो जिसका मित्र होता है वह उससे दूर नहीं रहता है।

18.

(i) राजवचनम् ।

(ii) गुरुपदेशस्य नाम अखिलमलप्रक्षालनक्षमम् जलं स्नानम् ।

(iii) राजाम् ।

19.

(i) वाणी ।

(ii) वाग्भूषणं न क्षीयते ।

(iii) भूषणानि ।

20

(i) अश्वः

(ii)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	अत्र महाराजपदं रामस्य कृते प्रयुक्तम् ।
2	(iii)	संदीपनानि ।
		खण्ड - 'द'
	21. (i)	भगवान् कम् दीर्घजीवनं कारयतु ?
	(ii)	राजा कुत्र उपवेष्टुं गच्छति ?
	(iii)	केषां हिंसावृत्तिस्तु निरवधि: ?
5	(iv)	पृथिव्या: ~~शर्मा~~ कै: सप्तधा विभाग: कृत: ?
	(v)	निर्मला बुद्धि: कथा कदा कालुष्यमुपयाति ?
	22.	
	(i)	कामेश: मधुरं फलं खादति ।
5	(ii)	हरिण: तीव्र ~~द~~ धावति ।
	(iii)	कृष्णेन सह राधा नृत्यति ।
	(iv)	कविषु कालिदास: श्रेष्ठ: अस्ति ।
	(v)	चोर: नृपात् बिभेति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

2.3.

विद्यायाः महत्वम्

विद्या कल्पलता मन्यते। यथा कल्पलता नरस्य सर्वान् अभिलाषान् पूरयति तथैव विद्या अस्ति। अस्मिन् विषये उक्तम् च -

मातेवरक्षति पितेवनिरूक्ते:,
कान्तेव चाभिरमत्यपनीय खेदम्।
लक्ष्मीं तनोति वितनोति च दिक्षु कीर्तिं,
किं किं न साधयति कल्पलेव विद्या ।।

ज्ञानार्थक विद्धातो विद्या शब्दः भवति। अस्मिन्संसारे बहुषु धनेषु विद्या एव सर्वश्रेष्ठधनमास्ति।

उक्तंच -

"न चौरहार्यं न राजहार्यं
न भातृभाज्यं न च भारकारी,
व्यये कृते वर्धत एव नित्यम्,
विद्या धनं सर्व धनं प्रधानं ।।"

(4) सरस्वति अस्याः अधिष्ठात्री देवी मन्यते। तस्याः कोषे एतत् धनं अपूर्वमस्ति। यदि कोऽपि नरः विद्यां संचितुम् इच्छति कस्यापि नरेअग्रे न प्रकाशयति/तदसः तां विस्मृति। तस्यः हानि भवति अतः मानवः सदैव विद्यां प्रसारं प्रचारं कुर्यात्।
विद्यया कालिदासः वाल्मीकि भवभूति जयदेवादियः अमृतं प्राप्नुवन्।
उक्तं 'विद्ययाऽमृतमश्नुते'।

BSER-16/7/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		समाप्त

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

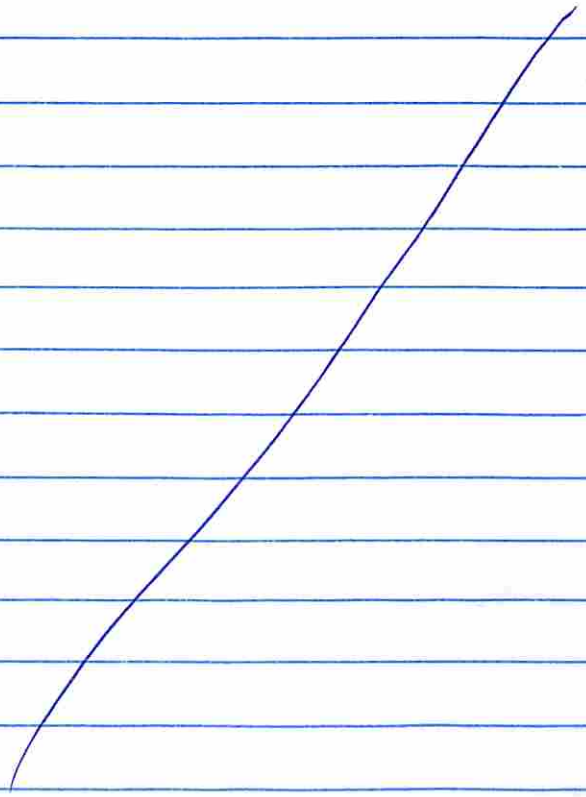

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रफ कार्य

ISSSI SIIIS
यमाताराजभानसलगम्

यगणः – ISS
1 मगणः – SSS
2 तगणः – SSI
3 रगणः – SIS
4 जगणः – ISI
5 भगणः – SII
6 नगणः – III
7 सगणः – IIS
8

पठ् + शतृ
पठ् + अत्
पठत्

BSER-167/2020